

कर्षगद्गम् MBh. 3, 10802. कर्षगद्गया वाचा An. 3, 2. वाक्यं वाष्पगद्गम् R. 3, 25, 10. 5, 56, 108. MBh. 3, 15881. वाष्पगद्गभाषिणी R. 4, 19, 29. 5, 36, 10. 6, 101, 19. विल्लाप सवाष्पगद्गम् (St.: स वा) Ragh. 8, 43. मद्सं-मदीडाचैर्वैस्वर्णं गद्गं विदुः Sāh. D. 63, 7. 72, 8. गद्गगलः Bhāṭṭ. 3, 22. भूरिगद्गं भाषते वचः Pañāt. I, 223. सगद्गम् (आक्) Bhāṭṭ. 11, 35. Pañāt. 43, 16.

गद्गक adj. = गद्गे कुशलः gaṇa आकर्षादि zu P. 5, 2, 64.

गद्गत्व (von गद्ग) n. Gestammel Suṣn. 1, 52, 15.

1. गद्गस्वर (ग + स्वर) m. gestammelte Laute: सगद्गस्वरं किंचित्प्रियं प्रायेण भाषते Sāh. D. 59, 4. भयगद्गस्वरा Daṣa. in Benf. Chr. 187, 10.

2. गद्गस्वर (wie eben) 1) adj. gestammelte Laute von sich gebend. — 2) m. a) Büffel H. c. 182. — b) N. pr. eines Bodhisattva Burn. Lot. de la b. l. 233. fgg.

गद्गदित (von गद्ग) adj. gestammelt Çikṣā 35.

गद्गय् (wie eben), गद्गयति stammeln gaṇa कर्णद्विदि zu P. 3, 1, 27.

गैद्य (von गद्ग) P. 3, 1, 100. Vop. 26, 15. 1) adj. zu sagen: गयमेतत्तया मम Bhāṭṭ. 6, 47. — 2) n. AK. 3, 6, 3, 31. ungebundene Rede: यनुयामृचो साक्षा च गयानां चैव सर्वशः । आसीदुच्चार्यमाणानां निस्ववो हृदयगमः ॥ MBh. 3, 966. Sāh. D. 366. 368. गययययय 369. 370.

गय्याणक n. ein best. Gewicht, = 32 गुञ्जा oder Körner vom Abrus precatorius Colebr. Alg. 2. = 64 गुञ्जा bei den Medicinern nach ÇKDr. गय्यानक ÇKDr. und Wils. गय्याण und गय्याणक Mit. (Gild. Bibl. 313) III, 63, b, 9. 11. 12. Für die von uns angenommene Form spricht auch die im ÇKDr. erwähnte Var. गय्यालक (गय्यालक Wils.).

गध्, गध्यति = मिश्रीभाव Nir. 5, 15. Naigh. 4, 2.

— आ partic. praet. pass. etwa angehängt, angeklammert: आगधिता परिगधिता या केशीकेव जङ्गे RV. 1, 126, 6.

— परि partic. umklammert (s. u. आ).

गधं m. v. l. für गम (s. d. Art.): गधे मुष्टिमंतसयत् TS. 7, 4, 19, 4.

गैद्य (von गध्) adj. viell. was man festhalten muss, zu erbeuten Nir. 5, 15. मूहो वाजस्य गध्यस्य सौता RV. 6, 26, 1. 2. 10, 6. 4, 16, 11. 16. यः स्मोहन्धानो गध्या समस्तु सनुतश्चरति गोषु गच्छन् 38, 4.

गैतर (nom. ag. von गम्) 1) derjenige welcher geht, kommt, gelangt (acc. und loc. des Ortes): केाम गतैरमृतैः RV. 1, 9, 9. गतैरा हि स्त्रो ऽवसे 17, 2. स गता गोमति ब्रजे 86, 3. स तवोती गोषु गता 8, 60, 5. गता बज्रैषु सनिता धनं धनम् 2, 23, 13. गतैरा यज्ञम् 3, 26, 6. 6, 23, 4. 8, 5, 5. 13, 10. 22, 3. अच्चा यो गता नाधमानमृती 4, 29, 4. 5, 30, 1. 6, 44, 15. 2, 41, 2. गतारः परमा गतिम् MBh. 13, 7173. न ह्येकाङ्का शतं गता त्रामृते ऽन्यः पुमानिह N. 24, 33. गतारं वाहिनीमुखे MBh. 8, 3313. Siddh. K. zu P. 2, 3, 12. गत्नी वसुमती नाशम् die Erde geht unter, wird untergehen Jāgñ. 3, 10. — 2) zu einer Frau (loc.) gehend, ihr beiwohnend: वृषत्यां गता P. 6, 2, 18, Sch. — 3) गत्नी f. ein von Ochsen gezogener Wagen AK. 2, 8, 2, 20. H. 753. = लघ्वी und द्विवेशरा Hār. 162; vgl. गत्नीरथ und गत्नी.

गतव्य (wie eben) 1) eundum. eundi u. s. w.: उत्तरेणास्य गतव्यं न्यग्रोध-मधिगच्छता R. 3, 19, 22. युष्माभिर्मया सह गतव्यम् Pañāt. 194, 2. मद्दद्या-नमपि च गतव्यं कयमीदृशैः (ह्यैः) N. 19, 15. अरण्यं (könnte auch als nom. gefasst werden) तेन गतव्यम् Pañāt. IV, 54. 134, 2. युवाभ्यामप्यस्माभिः

सह तत्र वनोद्देशे गतव्यम् 97, 11. Vid. 174. गतव्ये न चिरं स्थातुमिह श-क्यम् da gegangen werden muss Hid. 4, 45. इत इच्छामो गतव्ये ऽनुमतं तया R. 3, 12, 8. गतव्ये सति Amar. 31. गतव्यमत्तरेण auf der Reise, unterweges Mālav. 67, 21. — 2) zu gehen, zurückzulegen: अल्पदेशे गतव्ये KATHās. 25, 41. गतव्याधन् Vid. 312. पौता च गतव्यं च die Füße und das Object des Ganges Praçnop. 4, 8. — 3) adeundus, petendus: अयं चैव गतव्या भवता द्वारका पुरी MBh. 2, 1615. 3, 10901. R. 4, 41, 15. 43, 54. Megh. 7. KATHās. 25, 210. Çāṅk. zu Çāṅk. 8, 12. राजा स्तेनेन गतव्या मुक्तकेशेन धावता M. 8, 314. — 4) adeunda coitus causa: परदारो न ग-तव्याः MBh. 13, 4973. — 5) ineundus, capiendus, concipiendus (von einem Zustande): विश्रम्भस्तु न गतव्यो वल्लवानाम् MBh. 3, 14825. गत-व्यो न तु विश्रामः R. 3, 1, 32.

गैतु (wie eben) m. 1) Weg, Lauf: मा नो मध्या रौरिपतायुर्गताः RV. 1, 89, 9. युयाते नो अयपत्यानि गतैः प्रजावानः पशूमां अस्तु गातुः 3, 54, 18. — 2) Wanderer Up. 1, 69. Trik. 2, 8, 29. — Vgl. auch u. गम् und गातु.

गत्नीरथ m. = गत्नी (s. u. गत्तर) und मठ Hār. 149.

गत्त s. सुगत्त.

गन्दिका f. N. pr. einer Localität gaṇa सिन्धुदि zu P. 4, 3, 93.

गन्ध्, गन्धयति verletzen Dhātup. 33, 11. gehen; bitten Rāmān. im ÇKDr. — Vgl. गन्धन und गन्धय्.

गन्धं 1) m. Siddh. K. 250, a, 4. a) Geruch, Duft AK. 1, 1, 3, 16. 19. H. 1390. an. 2, 239. 240. Med. dh. 5. य अमस्य क्रविषो गन्धो अस्ति RV. 1, 162, 10. AV. 4, 37, 2. 11, 3, 8. 12, 5, 34. तनोपधे त्वं गन्धेन वि नाशय 8, 6, 10. पुण्य 10, 27. यस्तै गन्धः पृथिवि संवभूव 12, 1, 23. VS. 20, 27. TS. 2, 3, 9, 9. Çāt. Br. 3, 5, 2, 17. सर्वेषां गन्धानां नासिके एकाग्रम् 14, 5, 2, 11. 6, 2, 2. 7, 2, 12. 9, 4, 2, 4. 10, 5, 2, 20. 12, 8, 2, 16. Ait. Up. 3, 1. पावत्रपि-त्यमेध्याक्ताहन्धो लेपश्च तत्कृतः M. 5, 126. 1, 78. 4, 111. 5, 128. 11, 149. 12, 98. मानुष्यो वलवान्गन्धो प्राणं तर्पयतीव मे Hip. 2, 12. MBh. 3, 16199. R. 5, 73, 59. पूतगन्धे M. 4, 107. तीव्रं MBh. 18, 77. उत्तमं N. 5, 38. अ-धिकसुरभि Megh. 21. पुण्यं Ragh. 12, 27. अम्रुचि 30. हविर्गन्धैः R. 1, 5, 15. हव्यं Çāṅk. 83. दीपनिर्वाणं Hit. I, 69. गन्धान्धु wohlriechendes Was-ser H. 63. MBh. 12, 6848 werden 9 Arten von Gerüchen aufgezählt: इष्ट, अनिष्ट, मधुर, कटु, निर्हरिन्, संकृत, स्निग्ध, व्रत und विशद; ÇKDr. fügt noch अल्ल hinzu. Am Ende eines adj. comp.: अगन्ध Çāt. Br. 14, 6, 8, 8. चतुर्गन्ध R. 5, 32, 12. इष्टं Suṣn. 2, 480, 5. पापं MBh. 18, 70. दिव्यं 13, 2349. fem. आ 1, 2398. 2, 317. 2174. 3, 12721. Bhaṭṭ. P. 9, 14, 25. — b) wohlriechender Stoff, Wohlgerüche P. 5, 4, 135. Vārtt., Sch. Meist im pl.: गन्धैरुत्तमां गवाम् Gobh. 3, 6, 13. गन्धानमौ करिष्यामि 4, 2, 26. 3, 1, 12. Līṭ. 2, 6, 1. Pāra. Grh. 2, 13. Āc. Grh. 4, 7. Kauç. 13, 54. M. 4, 250. 7, 131. 9, 329. 10, 88. 11, 168. शुभान्गन्धान् 12, 65. Jāgñ. 1, 297. 2, 245. माल्यैश्च गन्धैश्च Sund. 4, 4. वर्ज-येन्मधु मांसं च गन्धं माल्यं रसान्निवृत्तयः M. 2, 177. R. 6, 37, 23. — c) Bez. verschiedener stark riechender Sachen: α) Schwefel (गन्धक) H. an. Med. — β) pulverisiertes Sandelholz Çuddhit. im ÇKDr. काश्मीरगन्ध-मृगनाभिकृताङ्गरागा Kaurap. 9. Schol.: = चन्दन. — γ) Myrrhe (वल) Trik. 3, 3, 217. — δ) N. eines Baumes, Hyperanthera Moringa Vahl. (शो-भाञ्जन) Çābdar. im ÇKDr. — d) der blosse Geruch von einer Sache, ein Bischen, ein Wenig P. 5, 4, 136. Trik. 3, 2, 8. H. an. Med. — e) Verbin- dung, Verwandtschaft H. an. Med. — f) Nachbar Med. — g) Uebermuth,